भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3069

दिनांक 19.03.2025 को उत्तर देने के लिए

महाराष्ट्र में आकांक्षी जिला कार्यक्रम

3069. **श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:**
श्री संजय हरिभाऊ जाधव:

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) महाराष्ट्र में आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत चिह्नित जिलों की संख्या कितनी है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान उक्त जिलों में किये गये विकास कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त कार्य में विशेष रूप से उस्मानाबाद जिले में शामिल संस्थाओं/एजेंसियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त कार्यक्रम के लिए आवंटित धनराशि का जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में उच्च बेरोजगारी दर को देखते हुए सरकार द्वारा उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत और अधिक जिलों को शामिल करने का काई प्रस्ताव है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ज) महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों सहित उस्मानाबाद जिले में विभिन्न मंत्रालयों के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) महाराष्ट्र में आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) के अंतर्गत 4 आकांक्षी जिले हैं। महाराष्ट्र में आकांक्षी जिलों की सूची अनुलग्नक 1 में दर्शाई गई है।

(ख) एडीपी का लक्ष्य भारत भर में 112 अल्पविकसित जिलों का तेजी से परिवर्तन करना है। कार्यक्रम की मुख्य कार्यनीति यह सुनिश्चित करना है कि केंद्र और राज्य सरकारों की मौजूदा योजनाओं के तहत विकास कार्यों को जिलों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए कुशलतापूर्वक लागू किया जाए। कार्यक्रम स्वास्थ्य और पोषण, स्कूली शिक्षा और बुनियादी ढांचे, और कृषि तथा जल संसाधन और वित्तीय समावेशन और कौशल विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के तहत 49 प्रमुख कार्य निष्पादन संकेतकों की निगरानी करता है। आकांक्षी जिले के कार्य निष्पादन की निगरानी इन संकेतकों पर की गई प्रगति के आधार पर की जाती है जो चैंपियंस ऑफ चेंज डैशबोर्ड (http://championsofchange.gov.in/site/coc-home/) पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है, जिसमें महाराष्ट्र के आकांक्षी जिलों का कार्य निष्पादन भी शामिल है।

(ग) एडीपी का उद्देश्य जिला स्तर पर मौजूदा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना है। कार्यक्रम में शामिल प्रमुख संस्थाओं में केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और जिला प्रशासन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के संयुक्त सचिव/अपर सचिव स्तर के अधिकारियों को प्रत्येक जिले के लिए केंद्रीय प्रभारी अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। इन प्रभारी अधिकारियों की भूमिका जिला प्रशासन का मार्गदर्शन करना है।

(घ) आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत, जिले कार्यक्रम की डेल्टा रैंकिंग पद्धति के माध्यम से प्राप्त वित्तीय अनुदान का उपयोग करके महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करने के लिए विभिन्न विकासात्मक परियोजनाएं शुरू करते हैं। महाराष्ट्र के आकांक्षी जिलों को आबंटित धनराशि का विवरण अनुलग्नक II में प्रस्तुत किया गया है।

(ङ), (च) और (छ) आकांक्षी जिला कार्यक्रम भारत भर के 112 जिलों को कवर करता है। वर्तमान में, यह कार्यक्रम केवल 112 आकांक्षी जिलों तक ही सीमित है।

(झ) एडीपी के अंतर्गत, मंत्रालय आकांक्षी जिलों में अपनी मौजूदा योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से विकास से संबंधित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

*****

'महाराष्ट्र में आकांक्षी जिला कार्यक्रम' के संबंध में दिनांक 19.03.2025 को श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर और श्री संजय हरिभाऊ जाधव द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3069 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

<u>महाराष्ट्र में आकांक्षी जिलों की सूची</u>

क्रम सं.	**जिला**
1.	गढ़चिरौली
2.	नंदुरबार
3.	उस्मानाबाद
4.	वाशिम

अनुलग्नक II

'महाराष्ट्र में आकांक्षी जिला कार्यक्रम' के संबंध में दिनांक 19.03.2025 को श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर और श्री संजय हरिभाऊ जाधव द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3069 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

कार्य निष्पादन के आधार पर जिलों को आबंटित धनराशि का विवरण

क्रम संख्या	जिला	कार्य निष्पादन के आधार पर आबंटित धनराशि (रुपये करोड़ में)
1	गढ़चिरौली	11.07
2	नंदुरबार	32.03
3	उस्मानाबाद	24.39
4	वाशिम	30.39